इन 9 भूतपूर्व प्रोड्यूसरों के नाम तथा उनके मौजूदा पदनाम इस प्रकार हैं :—

1. कुमारी अरविन्द दवे	प्रोड्यूसर (चयन ग्रेड) (700-1300 रु०)
2. श्री रसिक लाल भोजक	वरिष्ठ प्रोड्यूसर (900-1400 रु०)
3. श्री वी०डी० मदगुलकर	तथैव
4. श्री जी० के० कौल	तथैव
5. कुमारी कौशल्या माथुर	तथैव
6. श्रीमती माधुरी मट्टू	उप मुख्य प्रोड्यूसर (1100-1600 रु०)
7. श्री हफीज अहमद खान	उप मुख्य प्रोड्यूसर (1100-1600 रु०)
8. श्री ए० रमेश चौधरी	तथैव
9. कुमारी बुलबुल सरकार	तथैव

सरकार ने हाल ही में यह निर्णय लिया कि निर्माण संवर्ग के स्टाफ आर्टिस्टों को पेशन दी जाएगी तथा उनको नियमित सरकारी कर्मचारी माना जायेगा बशर्ते कि वे सरकारी कर्मचारी बनने के लिए अपना विकल्प दें तथा उनको शामिल करने के बारे में उनकी छानबीन हो जाए।

दूरदर्शन के केन्द्र निदेशक (सामान्य ग्रेड), (चयन ग्रेड) तथा निर्माण संवर्ग में इस समय कार्यरत व्यक्तियों के बारे में इसी प्रकार की सूचना एकत्र की जाएगी तथा उसको यथा समय सदन की मेज पर रख दिया जाएगा।

देश में शिक्षित बेरोजगार

227. **श्री उमा कान्त मिश्र** : क्या श्रम और पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि : (क) देश में इस समय शिक्षित बेरोजगार लोगों की संख्या क्या है तथा उनमें तकनीकी और गैर-तकनीकी लोग कितने-कितने हैं ;

(ख) प्रति माह कितने लोगों को रोजगार प्रदान किया जा रहा है; और

(ग) क्या इस सम्बन्ध में किसी विशेष कार्यक्रम पर विचार किया जा रहा है ?

श्रम और पुनर्वास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमतीना मोहसिन किदवई) : (क) जैसा कि योजना आयोग द्वारा गणना की गई है, 1980 के प्रारम्भ में देश में शिक्षित बेरोजगारों (मैट्रिकुलेट

और इससे अधिक) की संख्या के अनुमान इस प्रकार है :—

शिक्षित व्यक्तियों की प्रकार	1980 में बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या
	हजारों में
तकनीकी*	101.0
गैर तकनीकी :	3371.0
कुल शिक्षित :	3472.0

*इनमें इंजीनियरी डिग्रीधारी (बी० ई०), इंजीनियरी डिप्लोमा धारी चिकित्सा स्नातक (एम० बी० बी० एस०) दन्त सर्जन (बी० डी० एस०) नर्स (बी० एस० सी० नर्सिंग), कृषि स्नातक, पशु-चिकित्सा स्नातक शामिल हैं ।

(ख) और (ग). जबकि शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या के, जिन्हें प्रति माह रोजगार दिया गया था, अनुमानित आंकड़े उपलब्ध नहीं है, उन्हें रोजगार देने के लिए विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं, जिन्हें नीचे दिया गया है :—

देश में सामान्य बेरोजगारी की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, जिसमें शिक्षित व्यक्तियों की बेरोजगारी शामिल है, छठी योजना (1980-85) बनाई गई है । योजना दस्तावेज के अध्याय "जनशक्ति और नियोजन"—में शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियों के लिए रोजगार के सृजन के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के ब्यौरों की व्यवस्था की गई है । कुछ योजनाएं, जिनमें शिक्षितों के लिए पर्याप्त रोजगार क्षमता निम्नप्रकार हैं :—

(i) कृषि विस्तार योजना प्रणाली का प्रसारण, (ii) कृषि अनुसंधान कार्यक्रम, (iii) कृषि जनगणना और फार्म, प्रबन्ध अध्ययन (iv) आपरेशन फ्लड के तकनीकी और इन्फास्ट्रक्चरल पहलू (v) इनलैंड मत्स्य परियोजना (vi) न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम आदि ।

जनशक्ति आयोजना और रोजगार सृजन के लिए विकेन्द्रीकृत नीति से, जिसे जिला जनशक्ति आयोजना और रोजगार सृजन परिषदों की स्थापना तथा स्व-नियोजन संबंधी पुनर्व्यवस्था के माध्यम से अपनाया जा रहा है, शिक्षित बेरोजगारों को भी पर्याप्त सहायता मिलने की आशा है ।

विशेष रूप से वैज्ञानिक और तकनीकी कार्मिकों को लाभप्रद रोजगार प्रदान करने के लिए अनेक उपाय किये जा रहे हैं । उनमें से कुछ उपाय निम्नप्रकार हैं :—

(i) राष्ट्रीय वैज्ञानिक और तकनीकी उद्यमकारिता बोर्ड की स्थापना, (ii) राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषदों की प्रस्तावित स्थापना, (iii) उद्योग के लिए प्रोत्साहनों की सीरीज प्रारम्भ करना ताकि वे अनुसंधान और विकास कर सकें तथा पायलट प्लांट्स में निवेश तथा ऊर्जा बचत उपायों की व्यवस्था कर सके । (iv) छठी योजना के अन्तर्गत ऊर्जा, सिंचाई आदि में पर्याप्त निवेश, (v) सभी वैज्ञानिक विभागों को निदेश जारी करना कि विद्यमान वैज्ञानिक और तकनीकी पदों को भरा जाए और (vi) सी० एस० आई० आर० द्वारा प्रचालित वैज्ञानिक पूल योजना के अन्तर्गत वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिक वैज्ञानिकों आदि की अस्थायी नियुक्ति की व्यवस्था करना ।